

उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष बने प्रभात साहू, वैश्य समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन में होगा भव्य अभिनंदन।

संवाददाता

महाराजगंज रायबरेली। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद एवं ट्रेड्स एण्ड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 एवं 13 सितंबर 2026 को झूंसी स्थित स्वामी भजनानन्द मृत्युंजय धाम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन एवं अभिनंदन समारोह में इस बार नगर पंचायत महाराजगंज के चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू को अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद का उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर विशेष सम्मान और अभिनंदन किया जाएगा। प्रभात साहू के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत होने से रायबरेली जनपद के वैश्य समाज में खुशी की लहर है। समाज के लोगों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण



उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रभात साहू लंबे समय से सामाजिक कार्यों, जनसेवा और वैश्य समाज

देशभर से आने वाले पदाधिकारियों की मौजूदगी में प्रभात साहू का भव्य स्वागत और सम्मान किया जाएगा। इस दौरान वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक एकता, व्यापारिक हितों की सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज का आशीर्वाचन तथा उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रविन्द्र जायसवाल की विशेष उपस्थिति प्रस्तावित है। आयोजकों का कहना है कि यह अधिवेशन वैश्य समाज के लिए नई दिशा तय करने वाला साबित होगा, वहीं प्रभात साहू के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष बनने से रायबरेली की भागीदारी और भी मजबूत हुई है।

हाथों में बैनर लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन रोड नहीं तो वोट नहीं

महाराजगंज रायबरेली। सिंहासन खाली करो जनता आती होगी यह शब्द एक कवि के हैं लेकिन लोकतंत्र में जनता जब सड़क पर उतर जाती है तो जो जनता आपको राजा बन सकती है वही आपको पल भर में रोड पर भी ला सकती है। [कई बार इस ग्राम पंचायत की जनता ने लोगों को विधायक बनाया प्रधान बनाया सांसद बनाया लेकिन इन जनप्रतिनिधियों ने इस गांव की सड़क नहीं बनवाया जिससे मरीज को जहां समुचित इलाज नहीं मिल पाता बच्चे विद्यालय नहीं जा पाए तो इस गांव में लोग अपनी लड़की ब्याहने नहीं आते क्योंकि चार पहिया का साधन तो छोड़िए लोग यहां पैदल भी निकलने से कतरते हैं। महाराजगंज विकासखंड क्षेत्र के पूरे नारे मंजुरे अतरहेटा गांव के लोगों ने आज हाथों में बैनर लेकर प्रदर्शन किया कि रोड नहीं तो वोट नहीं क्योंकि ग्राम पंचायत के गढ़ी गांव से नारे गांव तक रास्ता बेहद ही खराब है लोगों की फसल तो वैसे भी बारिश की भेंट चढ़ गई तो रास्ते का हाल तो और भी बुरा है लोगों ने बताया कि खराब रास्ते के कारण जहां लोग निकल नहीं पाए तो वहीं मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पाता क्योंकि गांव तक एंबुलेंस नहीं आ पाती बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते तथा हम सभी को आने-जाने में भारी परेशानी होती है ग्रामीणों ने पानी भरे रास्ते में खड़े होकर हाथों में बैनर लेकर रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया कि हमारे गांव की ओर कोई ध्यान नहीं देता जबकि हम सभी वोट देकर लोगों को पता नहीं कहा पहुंचा देते हैं।

ग्राम रोजगार सेवक संघ ने मांगो को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन विधायक को सौंपा

संवाददाता हरपालपुर,हरदोई। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के बैनर तले रविवार को प्रदेश महामंत्री अनिल द्विवेदी के नेतृत्व में दर्जनों ग्राम रोजगार सेवकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन स्वायत्तजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू को उनके आवास पर सौंपा। ज्ञापन में रोजगार सेवकों ने अपनी वर्षों पुरानी समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। संघ ने मांग की है कि 4 अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा घोषित एचआर पॉलिसी और अन्य घोषणाओं को जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसके अलावा, रोजगार सेवकों के लिए केशलेस इलाज की सुविधा, न्यूनतम मानदेय बढ़ाकर 24,000 रुपए करने तथा उसका भुगतान पृथक बजट से करने की मांग रखी गई। साथ ही मृतक आश्रितों के संबंध में जारी शासनादेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया गया। विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने रोजगार सेवकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रामीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में रोजगार सेवकों की अहम भूमिका है। उनकी सभी जायज मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाकर समाधान कराने का हर्संभव प्रयास किया जाएगा।

छप्पन भोग, विशेष पूजा, सामूहिक हवन और मां गोमती की भव्य आरती में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता लखनऊ, झुलेलाल वाटिका स्थित श्री चित्रगुप्त धाम रविवार को आस्था और भक्ति से सराबोर नजर आया। धाम के स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे परिसर में 'जय चित्रगुप्त' के जयघोष गूंजते रहे। इस अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी को विधिवत छप्पन भोग अर्पित कर सर्वजन के कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम संयोजक दिलीप श्रीवास्तव ने बताया कि शाम चार बजे भगवान श्री चित्रगुप्त जी की विशेष पूजा-अर्चना एवं कथा के बाद सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सर्वजन के कल्याण और कायस्थ समाज में राजनीतिक चेतना के जागरण के संकल्प के साथ हवन में आहुतियां दीं। स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे धाम को फूलों और गुब्बारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। समारोह का मुख्य आकर्षण श्री चित्रगुप्त घाट पर मां गोमती की भव्य आरती रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में सहभागिता करते हुए दीप प्रज्वलित किए और सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की। आरती के दौरान घाट का वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में कायस्थ फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक दिलीप श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कीर्ति चौधरी, महामंत्री मनोज डीगर, उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, स्वर्णिल श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, रितु खरे,संयुक्त मंत्री सचिन निगम सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कारगिल शहीद राजेंद्र यादव की 27वीं पुण्यतिथि मनाई



डलमऊ, रायबरेली। कारगिल युद्ध के दौरान देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए डलमऊ क्षेत्र के वीर सपूत शहीद नायक राजेंद्र यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। ब्लॉक परिसर डलमऊ में आयोजित कार्यक्रम में

मातृछाया में गूँजी जन्माष्टमी की खुशियाँ, अपनों के प्यार से खिले माताओं-बहनों के चेहरे

संवाददाता लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की टीम ने राष्ट्रीय अथ्यक्ष गीता गुप्ता के नेतृत्व में मातृछाया पहुंचकर वहां रहने वाली असहाय, बेसहारा एवं विशेष जरूरतों वाली माताओं-बहनों के



साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया। इस दौरान माताओं-बहनों के बीच गीत-

संगीत, नृत्य और मिठाई वितरण के साथ खुशियां साझा की गई। मातृछाया में रहने वाली माताओं-बहनों से मुलाकात के दौरान गीता गुप्ता भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनापन, सम्मान और प्रेम पाने का अधिकार है। इन माताओं-बहनों को यह महसूस

जो उनके साथ खड़े हैं तथा उनकी खुशियों में सहभागी बनना चाहते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मातृछाया का माहौल कृष्ण जन्माष्टमी की खुशियों से सराबोर नजर आया। माताओं-बहनों ने गीत गाए और नृत्य किया। फल एवं मिठाइयों का वितरण भी

को भावुक कर दिया।

गीता गुप्ता ने इस सेवा कार्य के लिए उम्मीद संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भिक्षावृत्ति उन्मूलन, शिक्षा और बेसहारा लोगों के पुनर्वास के लिए संस्था द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उम्मीद संस्था ऐसी माताओं-बहनों के लिए मजबूत सहारा बनकर काम कर रही है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

अनीता तिवारी, रीतानाथ, सविता वर्मा, राधा, अर्चना मिश्रा, ऋतु शाही, पूजा सिंह सहित संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। सभी ने माताओं-बहनों के साथ जन्माष्टमी की खुशियां साझा कीं। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल ने आमजन एवं समाजसेवियों से अपील की कि बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों के जीवन में अपनत्व, सम्मान और प्रेम की रोशनी लाने के लिए आगे आएँ। संस्था के अनुसार किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है।

अशार्फी मस्जिद में सम्मान समारोह, बारह रबीउल अत्वल पर सम्मानित हुए लोग



गोरखपुर झंगहा। गोरखपुर जिले के झंगहा थाना क्षेत्र के पांडेय टोला स्थित अशार्फी मस्जिद परिसर में बारह रबीउल अत्वल के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद सम्मानित लोगों को डॉ. जामीर अंसारी एवं अशार्फी मस्जिद, झंगहा पांडेय टोला की ओर से सम्मानित किया गया।समारोह के दौरान सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों को सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। सम्मान समारोह के दौरान लोगों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया इस अवसर पर उप निरीक्षक राजेश भारती, गोपी कुमार कांटेबल अमित यादव, इंदल कुशवाहा ,करहैया यादव, रविंद्र वर्मा, मानवेंद्र सिंह,रजनी जी इंदमहम्मद,मासितुल्लाह,समीर, सलीम सहित कई लोगों ने धार्मिक एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

अग्निशमन टीम ने कार्यशाला आयोजित कर पुलिस कर्मियों को दिया बचाव व राहत कार्यों का प्रशिक्षण



संवाददाता हरपालपुर,हरदोई। आपात स्थिति में पुलिसकर्मि ही सबसे पहले मौके पर पहुंचते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अब उन्हें आग से बचाव का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्वायत्तजपुर फायर ब्रिगेड की टीम ने हरपालपुर कोतवाली और अरवल थाने में एक कार्यशाला आयोजित कर पुलिसकर्मियों को अग्निशामक यंत्रों के इस्तेमाल और राहत-बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को सिखाया गया

कि आग लगने की घटना पर तुरंत और प्रभावी ढंग से कैसे नियंत्रण पाया जाए, फायर सिलेंडर का सही इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए और धूप या आग में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। फायर स्टेशन प्रभारी उप निरीक्षक गौतम चौहान के नेतृत्व में टीम ने मौके पर ही %लाइव डेमो% देकर दिखाया कि शुरुआती स्तर की आग को तुरंत कैसे बुझाया जाता है। पुलिसकर्मियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दुर्घटना या अग्निकांड की सूचना पर सबसे पहले पुलिस बल ही मौके पर पहुंचता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण उनके लिए बेहद मददगार साबित होगा और वे किसी भी आपात स्थिति में बेहतर ढंग से लोगों के जान-माल की रक्षा कर सकेंगे।

सक्षिप्त खबरें... बीएमपीएस प्रशासनिक सचिव को मिला अवध रतन सम्मान।



लालगंज,रायबरेली । कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रशासनिक सचिव को %अवध रतन सम्मान% से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज के प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह जहाँ विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को सुदृढ़ता पूर्वक ऊंचाई दे रहे हैं वहीं अवधी भाषा में भी विशेष योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें अवधी लोकगीत,सोहर, कजरी,भजन,संस्कार गीत,ऋतु गीत,पर्व गीत,जन्मोत्सव और छठी गीत,विवाह गीत,सावन और कजरी,फाग और होरी, बारहमासा,देवी गीत,दिवाली और अन्य त्योहारों के गीत,आल्हा,बिरहा आदि के गायन पर पागल हासिल प्राप्त है। शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में उनकी इस विशिष्ट उपलब्धि के कारण ग्लोबल एजुकेशन कॉन्क्लेव द्वारा लखनऊ स्थित एक प्रसिद्ध होटल में भव्य समारोह के बीच %अवध रतन सम्मान% से सम्मानित किया गया।इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध निदेशक सुनील सिंह,सुमन सिंह,प्रबंधक शान्तनु सिंह,खुशबू सिंह,सह प्रशासनिक सचिव शालिनी सिंह,प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन सहित विद्यालय के समस्त अध्यापकों,छात्र-छात्राओं,कर्मचारियों, पारिवारिक जनों,ईश-मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया।यह जानकारी बीएमपीएस के जनसंपर्क अधिकारी यशबहादुर यादव ने दी।

गंगा,रामगंगा व गर्ग नदियों के जलस्तर में बृद्धि जारी गर्ग नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता हरदोई। रविवार की सुबह हरिद्वार से गंगा में 1,21,609 क्यूसेक तथा नरौरा से 96,219 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना है। इसके अलावा नानकसागर डैम से गर्ग नदी में 1,574 क्यूसेक तथा ड्यूरी डैम, पीलीभीत से गर्ग में 12,988 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना दर्ज है। नदियों में लगातार पानी छोड़े जाने से जलस्तर पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। जनपद के राजघाट पर गंगा नदी का जलस्तर 125.560 मीटर दर्ज किया गया, जबकि यहां खतरे का निशान 125.810 मीटर है। इस तरह गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर नीचे है। वहीं चेतावनी बिंदु 125.310 मीटर होने के कारण जलस्तर चेतावनी बिंदु से 25 सेंटीमीटर ऊपर बना हुआ है।सबसे अधिक चिंता गर्ग नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर है। सांडी स्थित केंद्रीय जल आयोग (ग्रुड्रुप) साइट पर गर्ग नदी का जलस्तर 129.960 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 129.650 मीटर है। यानी गर्ग नदी खतरे के निशान से 31 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। यहां चेतावनी बिंदु 129.150 मीटर है, जिसके मुकाबले जलस्तर 81 सेंटीमीटर अधिक है। वहीं हुल्लपुर में रामगंगा नदी का जलस्तर 136.600 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 137.100 मीटर से 50 सेंटीमीटर नीचे है। यहां चेतावनी बिंदु 136.600 मीटर है और रामगंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के ठीक बराबर बना हुआ है।फिलहाल राजघाट पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है, जबकि सांडी में गर्ग नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों में प्रशासन के निर्देश पर बाढ़ राहत चौकियों पर तैनात प्रभारी और कर्मचारी लगातार निगरानी एवं सतर्कता बनाए हुए हैं।

मिशान शक्ति के तहत छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर व साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

संवाददाता हरदोई। मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत थाना हरपालपुर पुलिस टीम ने कस्टूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खुसौरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को महिला सुरक्षा, सरकारी योजनाओं और साइबर अपराध से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090, 1076, 1098 और 1930 आदि के बारे में बताया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को ऑनलाइन साइबर फॉड के प्रति सचेत करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर घबराना नहीं। और तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

जेन-जी की समस्याओं पर मायावती ने जताई चिंता, लेकिन कार्यकर्ताओं को आंदोलन से दूर रहने को कहा

संवाददाता

लखनऊ । जेन-जी की समस्याओं पर मायावती ने चिंता जताई है। लेकिन, कार्यकर्ताओं को आंदोलन से दूर रहने को कहा है। राज्य इकाइयों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं। जेन-जी और जेन-अल्फा के सामने रोजगार सहित अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि देश में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनसे यह धारणा बन रही है कि युवाओं और बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर शुरू हुआ आंदोलन विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रभाव में आ गया है। इससे युवाओं और छात्रों के बीच आंदोलन की स्वतंत्रता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मायावती ने जारी बयान में कहा कि जेन-जी के जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान युवाओं और छात्रों को बड़े-बड़े सपने दिखाए



गए थे। लेकिन, अब आंदोलन के स्वतंत्र स्वरूप के बजाय उसके राजनीतिक रंग लेने को लेकर शंकाएं पैदा हो रही हैं। युवाओं और छात्रों की वास्तविक एवं जरूरी मांगों के प्रति बसपा की हमेशा सहानुभूति और चिंता रही है। उन्होंने अपने सभी राज्य संगठनों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने राज्यों और क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर जेन-जी और जेन-अल्फा की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रयास

जो बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करते हुए %सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय% की भावना के साथ काम करें। ऐसी सरकार बनने पर जेन-जी और जेन-अल्फा सहित सर्वसमाज की दुख-तकलीफों का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। उन्होंने अपनी उत्तर प्रदेश में चार बार रही सरकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक हित और जनकल्याण के क्षेत्र में पार्टी ने अपने शासनकाल में इन नीतियों को लागू करके दिखाया है। पार्टी सहयोग करती रहेगी। मायावती ने पार्टी के अनुशासन का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं से धरना, प्रदर्शन और आंदोलन आदि में शामिल नहीं होने को कहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं से अपनी तन, मन और धन की शक्ति तथा ऊर्जा को चुनाव के लिए सुरक्षित रखने की अपील की है। मायावती के मुताबिक, चुनाव के माध्यम से ऐसी सरकार बनाना उसका लक्ष्य है,

बी फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जीजा के घर रहकर लखनऊ विवि से कर रहा था पढ़ाई

लखनऊ । लखनऊ में बी फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह जीजा के घर रहकर लखनऊ विवि से पढ़ाई कर रहा था। बहन-बहनोंई जन्माष्टमी पर अपने घर गए हुए थे। घटना के दिन शुभम घर पर अकेले था। राजधानी लखनऊ में रविवार को बी फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह जीजा के पास रहकर लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना तेलीबाग क्षेत्र के वृंदावन 6-ए की है। छात्र की पहचान शुभम यादव (22) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से आजमगढ़ के धनसिंहपुर का रहने वाला था। यहां पर बहन ऐश्वर्या एवं बहनोंई विजय यादव के पास रहकर बी फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। लखनऊ विश्वविद्यालय में तृतीय वर्ष का छात्र था। बताया गया कि बहन-बहनोंई जन्माष्टमी पर अपने घर गए हुए थे। शुभम घर पर अकेला था। पिता रामप्रीति के अनुसार, शुभम दो दिनों से फोन नहीं उठा रहा था। उसके फोन पर घंटी जा रही थी। इस पर उन्होंने चचेरे बहनोंई (जो 32 बटालियन पीएसी, लखनऊ में तैनात हैं) को सूचना देकर वृंदावन सेक्टर-6ए घर भेजा। उन्होंने खिड़की से देखा तो शुभम पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका हुआ था। इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शुभम छह बहनों में सबसे छोटा था।

डीजीएमई पद पर आईएएस के बजाय डॉक्टर की तैनाती को लेकर बड़ी लामबंदी, वरिष्ठता पर भेजी गई अनापत्ति

लखनऊ । यूपी में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक (डीजीएमई) पद पर आईएएस के बजाय राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य की तैनाती को लेकर लामबंदी बढ़ रही है। इसका अंतर्गत्त इस बात से लगाया जा सकता है कि ज्यादातर प्रधानाचार्यों ने दूसरे ही दिन वरिष्ठा सूची पर अनापत्ति दे दी है। पूरे मामले में हाईकोर्ट में 16 सितंबर को सुनवाई है। इसके बाद तस्वीर साफ होगी। दअसन्न, डीजीएमई पद पर चिकित्सक की तैनाती के बजाय आईएएस को तैनात करने को लेकर विवाद चल रहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य ने इस पद पर आईएएस की तैनाती को हाईकोर्ट में चुनौती दी। इस पर हाईकोर्ट ने प्रधानाचार्यों को प्रेरति देने का निर्देश दिया। इसका पालन



नहीं होने पर प्रधानाचार्यों ने अवमानना याचिका दायर की। हाईकोर्ट के निर्देश के तैनाती होनी चाहिए। ज्यादातर प्रधानाचार्यों ने शनिवार को अनापत्ति भेज दी है। प्रदेश में डीजीएमई पद पर राजकीय मेडिकल कालेज

के उस प्रधानाचार्य को प्रेरति देकर तैनात करने का नियम है जो आयोग से चयनित हो और वरिष्ठता हो। वर्ष 2023 में नियमावली में बदलाव किया गया। व्यवस्था दी गई कि प्रधानाचार्य के न होने की स्थिति में आईएएस

को प्रतिनियुक्ति के आधार पर तैनात किया जाए, लेकिन वह सचिव रैंक से कम न हो। ऐसे में लगातार इस पद पर आईएएस तैनात है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि प्रधानाचार्यों की सुनवाई की जाए अन्यथा मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव, नियुक्त एवं कार्मिक विभाग के मुख्य सचिव और डीजीएमई को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होना पड़ेगा। इस आदेश के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रधानाचार्यों की वरिष्ठा सूची जारी कर उनसे आपत्ति मांगी है।

वर्तमान 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सात में आयोग से चयनित प्रधानाचार्य कार्यरत हैं। वरिष्ठा के क्रम में डॉ. मुकेश यादव अंबेडकरनगर, डॉ. रमेश चंद्र गुप्ता मेरठ, डॉ. अरविंद त्रिवेदी जालौन, डॉ. संजय काला कानपुर, डॉ. सुधीर राठौ सहारनपुर , डॉ. शिव कुमार बदायूं, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गोरखपुर का नाम है।

आईटीआई लखनऊ में महिला रोजगार मेला 11 को

संवाददाता

लखनऊ।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई अलीगंज लखनऊ में महिलाओं एवं युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 सितंबर को विशाल रोजगार मेले में हरीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एस्बीआई लाइफ इंश्योरेंस तथा अल्मास एक्सपेोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड सहित चार प्रमुख कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। चयन प्रक्रिया में कैंपस प्लेसमेंट के साथ ही वॉक-इन इंटरव्यू भी आयोजित किए जाएंगे।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कजिपल देव अग्रवाल ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराकर

उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आईटीआई एवं अन्य शैक्षिक योग्यता रखने वाली इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न पदों पर चयन का अवसर उपलब्ध होगा। प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खां ने बताया कि हरीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, हरिद्वार प्लांट में केवल छात्राओं के लिए कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया जाएगा। कंपनी द्वारा 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 10वर्षों पास तथा फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट, टर्नर, पेंटर, ब्ल्क, ट्रैक्टर मैकेनिक आदि आईटीआई ट्रेड में छब्बजेष्ठेज् पासआउट वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 की छात्राएं तथा अपीयरिंग छात्राएं पात्र होंगी। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 26,450 रुपये सीटीसी तथा लगभग 18,487 रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन का प्रगवाल ने बताया कि रोजगार मेले मेंडिकल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, सुमेरपुर (हमीरपुर) प्लांट में ट्रेनी पद के

लिए 15 महिलाओं का चयन किया जाएगा। इसके लिए 21 से 29 वर्ष की आयु की महिलाएं पात्र होंगी। इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर एवं इंस्ट्रुमेंट मैकेनिक ट्रेड में आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 14,000 रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन मिलेगा। एस्बीआई लाइफ इंश्योरेंस द्वारा लखनऊ लोकेशन के लिए फाइनेंशियल कंसल्टेंट (एडवाइजर) पद पर वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 18 से 30 वर्ष की आयु की 12वर्षों पास अथवा स्नातक महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। अल्मास एक्सपेोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ में महिला टेलर के पदों पर भर्ती की जाएगी। सिलाई-टेलरिंग में दक्ष अथवा फेंशर, 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं इसमें शामिल हो सकती हैं। चयनित अभ्यर्थियों को न्यूनतम 8,000 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले में शामिल होने वाली सभी इच्छुक

उपमुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं,अफसरों को दिये समाधान के निर्देश

लखनऊ । प्रयागराज 6 सितंबर। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस प्रयागराज में जनता दर्शन में आए लोगों ने नाली, जल निकासी, पेयजल, सड़क निर्माण एवं मरम्मत, चिकित्सा सुविधा, भूमि संबंधी विवाद, अवैध कब्जे से मुक्ति, चक्रमार्ग चौड़ीकरण, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड, इलाज हेतु आर्थिक सहायता सहित विभिन्न जनकमस्याओं एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित शिकायती एवं अनुरोध पत्र दिए । श्री मौर्य ने प्रत्येक फरियादी की बात को धैर्यपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरण के नियमसम्मत, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रखा जाए बल्कि प्रत्येक प्रकरण पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए

2.10 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ चंदौली में तस्कर गिरफ्तार, वाराणसी एएनटीएफ ने की कार्रवाई

लखनऊ/वाराणसी 6 सितंबर।योगी सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2.10 करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन बरामद की है। एएनटीएफ यूनिट वाराणसी की टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले सक्रिय तस्क़र अभिषेक सोनकर को गिरफ्तार किया है।डीजीपी कार्यालय के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी वाराणसी के फूलपुर थाना क्षेत्र के झोरिया जगदीशपुर बाबतपुर का निवासी है। एएनटीएफ टीम ने उसके कब्जे से 1 किलो 20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोइन समेत अन्य सामान भी बरामद किया है। आरोपी की गिरफ्तारी चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र में गोदना मोड़ सर्विस रोड से की गई।पुलिस पृष्ठताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने पार्टनर के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। बरामद हेरोइन भी वह अपने पार्टनर के कहने पर किसी व्यक्ति को सप्लाई करने के लिए चंदौली की ओर ले जा रहा था।

गड्डे में गिरा मासूम, तीन अस्पतालों में भटके परिजन नहीं बची जान, घंटों भटकी यूपी पुलिस

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में एक मासूम गड्डे में गिर गया। परिजन उसे लेकर तीन अस्पतालों में भटके लेकिन उसकी जान नहीं बची। उन्हें ढूंढने को घटना के तीन घंटे तक भटकती रही पुलिस। सर्विलांस पर फोन नम्बर डालने के बाद पुलिस को घर की लोकेशन मिली। यूपी की राजधानी लखनऊ में बीबीडी इलाके में शनिवार शाम पांच साल के बच्चे हर्षित की गड्डे में डूबकर मौत हो गई। बच्चा दोस्त के साथ टॉयलेट करने गया था, तभी फिसलकर नाली के पानी से भरे गड्डे में गिर गया। परिजन उसे लेकर अस्पताल भागे। परिजन पहले उसे चिनहट सीचवसी ले गए, वहां से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। आरोप है कि लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों ने देखने से मना कर दिया। इसके बाद परिजन शहीद पथ स्थित मातु व शिशु अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। डीह गांव निवासी बृजेश चौरसिया मर्चेंट नेवी में कार्यरत हैं। वह वर्तमान में दुबई में हैं। परिजनों ने



बताया कि बृजेश के दो बेटे हैं। यहां पर पत्नी कुसुम अपने बड़े बेटे उज्ज्वल और छोटे बेटे हर्षित (5) के साथ रहती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को पड़ोस में सुधा पाण्डेय के घर में श्रीसत्यनारायण कथा चल रही थी। कुसुम बच्चों के साथ वहां गई थी। इसी दौरान हर्षित और उसका दोस्त नंदीश तिवारी आरती के समय टॉयलेट करने के लिए घर के पीछे चले गए। वहां एक पेड़ उखड़ जाने से लगभग चार फीट गड्ढा हो गया था। उसमें नाली और बॉरिश का पानी भरा हुआ था। टॉयलेट के दौरान हर्षित का पैर फिसल गया। नंदीश दौड़कर दादी के पास पहुंचा और घटना की पूरी जानकारी दी। बच्चे को गड्डे से बाहर

निकाला गया। उसकी सांसें चल रही थीं। परिजन चिनहट सीएचसी ले गए, वहां से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों ने देखने से मना कर दिया। परेशान परिजन शहीद पथ स्थित मातु व शिशु अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन पुलिस को सूचना देता परिजन शव लेकर घर चले गए। हर्षित को बचाने के लिए परिजन कार से अस्पताल भागे, लेकिन टेरा रेलवे क्रॉसिंग का बंद फाटक 20 मिनट तक नहीं खुला। परिजन बताते हैं कि 20 मिनट तक इंजजार के बाद दूसरी तरफ से बाइक मंगाई और बच्चे को बाइक पर लेकर सीएचसी पहुंचे।

दिल्ली से आकर यूपी के होटल में रुके, सात घंटे में चार जगह चेन लूटी फिर कार से वापसी



संवाददाता

लखनऊ। यूपी में दिल्ली से आए लुटेरे महीनेभर होटल में रुके। इस दौरान सात घंटे में चार जगह चेन लूटी। अलीगंज पुलिस ने चेन लूट के दो आरोपी गिरफ्तार किए। तीन सितंबर को पॉलीटेक्निक चौराहे पर महिला ऑटो का इंतजार कर रही थी। उस समय महिला से चेन लूटी थी। दिल्ली

से करीब एक माह पहले लखनऊ आकर होटल में रुके लुटेरों ने करीब सात घंटे में कार और बाइक से चार इलाकों में चेन लूट की वारदात की। उसके बाद आरोपी वापस दिल्ली चले गए। वहां पर लूट की रकम से एक चारपहिया मालवाहक वाहन खरीदा। इस मामले में लखनऊ पुलिस ने दिल्ली जाकर दो लुटेरों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कार और

डॉ.अजीत रानाडे
अर्थशास्त्र भारत में भी यू-टर्न (फैसले पलटने) के अपने उदाहरण हैं। खेती में सुधार के तीन कानून बहुत भरोसे के साथ बनाए गए थे और फिर लंबे राजनीतिक विरोध के बाद उन्हें रद्द कर दिया गया। इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम, जिसे तेजी से ई-20 की ओर बढ़ाया जा रहा था, अब गाड़ियों, कच्चे माल, पानी के इस्तेमाल और ग्राहकों की पसंद से जुड़ी चिंताओं का सामना कर रहा है; और हो सकता है कि इसमें फिर से बदलाव की जरूरत पड़े। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने आर्थिक नीति बनाने के मामले में एक छोटा लेकिन अहम सबक दिया। 5 अगस्त को गवर्नर संजय मल्होत्रा से पूछा गया कि क्या अनिवасी भारतीयों से विदेशी मुद्रा जमा आकर्षित करने के लिए बनाई गई खास विदेशी मुद्रा अनिवасी (बैंक) जमा (फॉरेन करेन्सी नॉन रेसीडेन्सी (बैंक) डिपॉजिट-एफसीएनआर (बी) स्कीम) योजना को तय निर्धारित समय सीमा 30 सितंबर से पहले बंद किया जा सकता है, तो उन्होंने कहा कि ऐसा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके नौ दिन बाद आरबीआई ने अचानक इसकी समाप्ति की तारीख 31 अगस्त कर दी। इसके पीछे ठोस आर्थिक कारण हो सकते हैं। यह योजना काफी ज्यादा सफल रही थी। डॉलर का प्रवाह जबरदस्त था जबकि मुद्रा के अवमूल्यन (मूल्य में गिरावट) से सुरक्षा देने की सब्सिडी लागत बढ़ती जा रही थी। लिक्विडिटी मैनेजमेंट और भविष्य की विदेशी मुद्रा देनदारियों की समस्या भी बढ़ रही थी। सवाल यह नहीं है कि आरबीआई को अपना फ़ैसला बदलने का अधिकार था या नहीं। सवाल यह है कि जब योजना को समय से पहले बंद करने की संभावना पर चर्चा हो रही थी तो साफ़ तौर पर ऐसा न करने का भरोसा



क्यों दिलाया गया? आर्थिक नीतियां अक्सर ऐसे ‘यू-टर्न’ अर्थात अचानक फ़ैसला बदलने से भरी होती हैं। कुछ फ़ैसले तेजी से हालात समझने और सीखने का सबूत होते हैं। वहीं कुछ फ़ैसले खराब तैयारी, राजनीतिक दबाव या बस अनिश्चितता को दिखाते हैं। हम इनमें फर्क कैसे करें? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ़ पॉलिसी इसका सबसे सटीक उदाहरण है। अप्रैल, 2025 में ‘%लिबरेशन डे’ पर टैरिफ़ की घोषणाओं के बाद से अमेरिका ने ड्यूटीज़ लगाई हैं, रोकी गई हैं, उनमें बदलाव किए गए हैं, बातचीत के ज़रिए उन्हें कम किया गया है, फिर से घमकी दी गई है और कभी-कभी दोबारा लागू भी किया गया है। अपनी स्प्लाइ चैन संभालने वाली कंपनियों को अब टैरिफ़ के लिए तैयार रहना पड़ता है और साथ ही इस अनिश्चितता की कीमत भी चुकानी पड़ती है कि छह महीने बाद टैरिफ़ क्या होगा। पॉलिसी में उतार-चढ़ाव खुद निवेश पर एक टेक्स बन जाता है। भारत में भी यू-टर्न (फैसले पलटने)

के अपने उदाहरण हैं। खेती में सुधार के तीन कानून बहुत भरोसे के साथ बनाए गए थे और फिर लंबे राजनीतिक विरोध के बाद उन्हें रद्द कर दिया गया। इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम, जिसे तेजी से ई-20 की ओर बढ़ाया जा रहा था, अब गाड़ियों, कच्चे माल, पानी के इस्तेमाल और ग्राहकों की पसंद से जुड़ी चिंताओं का सामना कर रहा है; और हो सकता है कि इसमें फिर से बदलाव की जरूरत पड़े। पेंशन सुधार एक और उदाहरण है। राष्ट्रीय पेंशन योजना (एपीएएस) ने सरकारी पेंशन को बिना फंड वाले ‘%डिफाइंड-बेनिफिट’ वादे से हटाकर फंड वाले ‘%कंट्रीब्यूशन-बेस्ड’ सिस्टम की ओर बढ़ाया गया। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के राजनीतिक दबाव के कारण यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) बनी जो योगदान को बनाए रखते हुए पक्की पेंशन का फायदा भी देती है। फिर भी मार्च, 2026 तक केंद्र सरकार के 24.14 लाख योग्य कर्मचारियों में से केवल 1.24 लाख कर्मियों ने ही यूपीएस को चुना। ये

सभी एक ही तरह के बदलाव नहीं हैं। कभी-कभी राजनीति बदल जाती है, कभी-कभी सबूत बदल जाते हैं, कभी-कभी मूल पॉलिसी पर ठीक से सोच-विचार नहीं किया गया होता है और कभी-कभी पॉलिसी का सवाल ही गलत तरीके से तैयार किया गया होता है। इस सवाल पर विचार करना चाहिए- ‘%क्या औद्योगिक नीति काम करती है?’ इसका कोई एक ‘%हां’ या ‘%नहीं’ वाला जवाब नहीं हो सकता। कौन सा उद्योग? कौन-सा तरीका? कितने समय के लिए? कैसी गवर्नेस व्यवस्था के तहत? क्या मदद प्रदर्शन पर निर्भर है? क्या वहां प्रतिस्पर्धा है या सिर्फ ‘पहले से मौजूद कंपनियों के सुरक्षा दी जा रही है?’ क्या भारत की ‘%उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना’ (प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव स्कीम) हर मामले में अच्छी पॉलिसी है? आम तौर पर अर्थशास्त्र नीतियों से जुड़े कई सवालों के पक्के जवाब नहीं दे सकता क्योंकि आर्थिक व्यवहार तय नियमों से नहीं चलता। एक नीति व्यवहार को बदलती है और बदला हुआ व्यवहार

उस माहौल को बदल देता है जिसमें पॉलिसी काम करती है। खेती में सुधार से इंसेंटिव बदलते हैं लेकिन साथ ही राजनीतिक लामबंदी भी बदलती है। उत्पादन अनुदान से कोई उद्योग खड़ा हो सकता है लेकिन फिर वह उद्योग सब्सिडी जारी रखने की मांग करने वाला एक गुप बन जाता है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था, अर्थशास्त्र के लिए कोई बाहरी रुकावट नहीं है। यह व्यवस्था का ही हिस्सा है। बिजनेस ऑपरेशंस वर्षों तक विश्व बैंक अपनी ‘%डूंग बिज़नेस’ रैंकिंग जारी रहा जहां जिसका इस बात पर बहुत असर पड़ा कि किसी देश को कितना ‘%व्यापार अनुकूल’ माना जाता है। अजीब बात तो यह है कि ‘%डूंग बिज़नेस 2010’ में, 183 अर्थव्यवस्थाओं में भारत 133वें, बाज़ील 129वें और रूस 120वें स्थान पर था जबकि चीन 89वें स्थान पर था। साफ़ है कि विश्व बैंक के संकेतक यह नहीं बता पाए कि कम रैंकिंग वाली ये बाज़ील, रूस, भारत और चीन (ब्रिक) की अर्थव्यवस्थाएं इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही थीं। बाद में एक तरह के छोटे-मोटे विवाद के बाद बैंक ने 2021 में ‘%डूंग बिज़नेस’ रैंकिंग को पूरी तरह बंद कर दिया। इसकी जगह एक और पैमाना लगाया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि अपनी राय बदलने के लिए अर्थशास्त्रियों या नीति-निर्माताओं की आलोचना की जानी चाहिए। उल्टे, सबूत मिलने के बाद भी अपनी राय न बदलना कट्टरपंथ है, न कि निरंतरता। समस्या तब होती है जब संस्थाएं असल आर्थिक हालात से ज़्यादा भरोसे के साथ बात करती हैं या जब मुख्य रूप से राजनीतिक सुविधा के कारण किए गए बदलावों को आर्थिक ज़रूरत के तौर पर पेश किया जाता है। इसलिए विश्वसनीयता का मतलब यह नहीं है

कि रास्ता कभी न बदला जाए। इसका मतलब है कि उन हालात के बारे में साफ़ होना जिनके तहत रास्ता बदला जा सकता है। रिजर्व बैंक कह सकता था कि एफसीएनआर (बी) विंडो 30 सितंबर तक खुली रहेगी, जब तक कि पैसे का आगमन एक तय सीमा से ज़्यादा न हो जाए या वित्तीय स्थिरता से जुड़ी चिंताएं पैदा न हों। असल में इस घटना की एक आलोचना में यही बात कही गई है- पहले से तय कारणों से अनुमान लगाने की क्षमता से समझौता किए बिना लचीलापन बनाए रखा जा सकता था। अच्छी पॉलिसी बनाने के लिए ऐसे गुणों की जरूरत होती है जो कभी-कभी एक-दूसरे के उलट हो सकते हैं, जैसे विनम्रता, पारदर्शिता, जवाबदेही और फैसला लेने की क्षमता। विनम्रता का मतलब है यह मानना कि अनुमान और मॉडल गलत हो सकते हैं। पारदर्शिता का मतलब है यह बताना कि क्या बदला है। जवाबदेही का अर्थ है किसी फैसले को पलटने के नतीजों को स्वीकार करना। फैसला लेने की क्षमता का मतलब है कि अनिश्चितता को काम न करने या ठप पड़ जाने का बहाना नहीं बनने देना चाहिए। इसलिए, यू-टर्न यानी हमेशा कमजोरी की निशानी नहीं होते। कभी-कभी वे दिखाते हैं कि पॉलिसी में सुधार हो रहा है और वह हालात के हिसाब से तेजी से बदल सकती है। लेकिन सबूत बदलने की वजह से दिशा बदलने और राजनीतिक हवा बदलने की वजह से दिशा बदलने में फर्क होता है। संस्थाएं अपनी विश्वसनीयता तब बनाए रखती हैं जब वे यह दिखावा नहीं करतीं कि वे कभी गलत नहीं होतीं बल्कि यह बतातीं हैं कि उन्होंने अपना मन क्यों बदला, ज़मीनी हकीकत में क्या बदलाव आया है और नया रास्ता ज़्यादा भरोसे के लायक क्यों है?

करियर की अंधी दौड़ में हाफन्ती युवा पीढ़ी!

प्रो. संजय द्विवेदी
कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज़्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज़्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना है। उनकी महत्वाकांक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज़्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम। अधिकारियों के दरवाजे सिक्कुड़ रहे हैं। ज़्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी इच्छा निग इकोनामी (फ़ी लॉस, काट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल

भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। मनोविज्ञान कार्य और जीवन का सतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज़्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य

को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन के बीच है। वर्र्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिपोंट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ‘आलवैज आन’ मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है। सोशल मीडिया से बनती छवियां सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की संघर्ष की गहिराई प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ो पदस्थाना, उसकी पार्टियों, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना,

सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परितन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरूरत है।सोशल मीडिया से प्रेक्षित हो रहे छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए। इतिहास नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मृत करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी

जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरुआती सालों में ही अन्याय कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरुआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है। इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होतीं। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज़्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का काननंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज़्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र,

परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी- प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पेट रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना गुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेंगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

हिमालय की चेतावनी पर नदियों की प्रतिक्रिया

प्रकाश दहाल
पर्यटन स्थल खोजें नेपाल, भारत, बांग्लादेश और चीन को मिलकर सीमा-पार काम करने वाली चेतावनी व्यवस्था बनानी होगी। इसके लिए उपग्रहों से प्राप्त जानकारी की साझा निगरानी होनी चाहिए। ग्लेशियरों और हिमनदीय झीलों की संयुक्त निगरानी होनी चाहिए। नदियों के जलस्तर और प्रवाह से जुड़े आंकड़े साझा किए जाने चाहिए। खतरनाक झीलों के बनने या ऊपर की ओर नदी का रास्ता अचानक बंद होने की तत्काल सूचना देनी चाहिए। हिमालय की एक खूबी है। वह पहले हमें चेतावनी देता है और फिर उस चेतावनी को नजरअंदाज करने की भारी कीमत वसूलता है। 26 अगस्त की आपदा ऐसी बड़ी चेतावनियों की सबसे ताजा कड़ी थी। किन्हें हमने सुनना नहीं कहा। यह सिर्फ अचानक आई बाढ़ नहीं थी। ऐसा लगता है कि यह पहाड़ों में हुई घटनाओं की एक के बाद एक जुड़ती श्रृंखला थी। तिब्बती क्षेत्र में बर्फ और चट्टानों के एक बड़े हिमस्खलन या ग्लेशियर के टूटने से भारी मात्रा में बर्फ, चट्टान, कीचड़ और मलबा ल्हेंदे नदी में जा गया। इससे नदी का रास्ता बंद हो गिरा। और एक अस्थायी झील बन गई। मलबे के पीछे पानी जमा होता गया।

जब प्राकृतिक बांध पानी का दबाव और नहीं सह सका, तो वह टूट गया। इसके बाद पानी, बर्फ, कीचड़ और मलबा भोटेकोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में तेजी से नीचे की ओर बह निकला। खतरा पानी की पहली लहर के गुजर जाने के साथ खत्म नहीं हुआ। आपदा स्थल से ऊपर की ओर एक नई अस्थायी झील बन गई, जिसमें कथित तौर पर लाखों घन मीटर पानी जमा था। अधिकारियों ने एक और अचानक झील फटने की आशंका को लेकर चेतावनी दी। यानी एक आपदा ने एक और छिपी हुई आपदा को जन्म दे दिया। पहाड़ ने अभी बोलना बंद नहीं किया है। उसका संदेश इतना तेज है कि कान के पर्दे तक फट जाए। यह केवल नेपाल की समस्या नहीं है। यही वह बात है जिसे भोटेकोशी की कहानी के जरिए अब नेपाल की सीमाओं से बाहर ले जाना जरूरी है। हिमालय राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानता। कोई ग्लेशियर तिब्बत में बर्फ और चट्टानों के एक बड़े हिमस्खलन या ग्लेशियर के टूटने से भारी मात्रा में बर्फ, चट्टान, कीचड़ और मलबा ल्हेंदे नदी में जा गिरा। इससे नदी का रास्ता बंद हो गया। और एक अस्थायी झील बन गई। मलबे के पीछे पानी जमा होता गया।



बढ़ती चिंता पर जितना ध्यान दिया जा रहा है, उससे कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है। सिक्किम के लोग ल्हेंदे - भोटेकोशी क्षेत्र में हुई आपदा का संदेश समझते हैं, लेकिन ‘%दिल्ली’ शायद अभी भी इस तबाही को विकास की दौड़ में होने वाला एक ‘%साइड इफेक्ट’ मान रही है। भोटेकोशी की आपदा के बाद सिक्किम के कई समूहों ने नई जलविद्युत परियोजनाओं को रोकने और हिमालयी राज्य में जलविद्युत विकास के सुरुक्षा तथा पर्यावरणीय प्रभावों की स्वतंत्र समीक्षा कराने की मांग की है। यह मांग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सिक्किम के लोग अक्टूबर 2023 में दक्षिण ल्होलाक झील से आई ‘%ग्लेशियल झील विस्फोट’%(रग्लोफ) की तबाही झेल चुके हैं। उस घटना में 1,200 मेगावाट की %तीस्ता ढूढूढू

कोई खबर नहीं है। यह एक गंभीर चेतावनी है और नीचे चलने वाले लोगों के लिए तत्काल खतरा पैदा करती है। ग्लेशियर झील के फटने से सिक्किम में बुनियादी ढांचा नष्ट हुआ, पानी की विनाशकारी धारा नीचे की ओर दौड़ी और भारत से बाहर के इलाकों, जिनमें बांग्लादेश भी शामिल था, को प्रभावित किया। ऐसे में पारंपरिक ‘%पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन’ अब खतरनाक रूप से अपर्याप्त साबित हो सकते हैं। वे आम तौर पर हर परियोजना को अलग-अलग देखकर उसके प्रभावों का आंकलन करते हैं, प्रकृति ऐसा नहीं करती। समुद्री पादचरम देखें भारत और बांग्लादेश वर्षों से तीस्ता को पानी के बंटवारे का मुद्दा मानते हैं, लेकिन अब केवल इतना पर्याप्त नहीं है। तीस्ता को एक साझा जलवायु-जोखिम वाली नदी प्रणाली के रूप में भी देखना होगा। बांग्लादेश का उन ग्लेशियरों, पहाड़ी ढलानों, बांधों और जलाशयों पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है। उस बांग्लादेश या पश्चिम बंगाल के उत्तरांचल से अलग नहीं लेता। कितना बड़ा किसी संरक्षणीय सीमा पर नहीं रुकती। हिमालय को एक साझा चेतावनी प्रणाली की

गर्म नहीं किया, सड़क या सुरंग नहीं बनाई। फिर भी जब इन फैसलों के परिणाम आए हैं, तो हो सकता है कि वही किसान कमर या गर्दन तक भरे बाढ़ के पानी में खड़ा हो। शायद यही जलवायु न्याय की सबसे कड़वी विडंबना है - जिन लोगों ने समस्या पैदा करने में सबसे कम योगदान दिया है, अक्सर सबसे पहले और सबसे ज़्यादा कीमत उन्हें ही चुकानी पड़ती है। कोई यह नहीं कह सकता कि ‘%रग्लोफ’ का खतरा अज्ञात था। जोखिम की पहचान पहले ही हो चुकी थी। पैसा मंजूर हो चुका था। परियोजनाएं तैयार की जा चुकी थीं। चेतनियता दी जा चुकी थी। फिर भी भोटेकोशी की आपदा हुई। सवाल यह है कि क्या सरकारें अपनी प्रतिक्रिया तेजी से बदलते हिमालयी खतरों के हिसाब से दे रही हैं, या फिर पर्यटन से मुनाफा कूटने, हवा-हवाई प्रशासनिक सीमाओं और नौकरशाही की गैर-जिम्मेदार ज़िम्मेदारियों के आधार पर? ग्लेशियर किसी परियोजना की सीमा को नहीं समझता। अस्थायी झील सरकारी खरीद प्रक्रिया का इंतजार नहीं करती। भूस्खलन किसी दाता के खिलाफ नहीं है। बांग्लादेश या पश्चिम बंगाल के उत्तरांचल से अलग नहीं लेता। कितना बड़ा किसी संरक्षणीय सीमा पर नहीं रुकती। हिमालय को एक साझा चेतावनी प्रणाली की

जरूरत है। इसका जवाब एक और सम्मेलन और उसके बाद एक और घोषणा नहीं हो सकता। नेपाल, भारत, बांग्लादेश और चीन को मिलकर सीमा-पार काम करने वाली चेतावनी व्यवस्था बनानी होगी। इसके लिए उपग्रहों से प्राप्त जानकारी की साझा निगरानी होनी चाहिए। ग्लेशियरों और हिमनदीय झीलों की संयुक्त निगरानी होनी चाहिए। नदियों के जलस्तर और प्रवाह से जुड़े आंकड़े साझा किए जाने चाहिए। खतरनाक झीलों के बनने या ऊपर की ओर नदी का रास्ता अचानक बंद होने की तत्काल सूचना देनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात, हिमालय में बुनियादी ढांचा बनाने के लिए एक नया मानक विकसित करना होगा, जिसमें श्रृंखलाबद्ध खतरों को ध्यान में रखा जाए। हर बांध, सड़क और हवा-हवाई प्रशासनिक सीमाओं और नौकरशाही की गैर-जिम्मेदार ज़िम्मेदारियों के आधार पर? ग्लेशियर किसी परियोजना की सीमा को नहीं समझता। अस्थायी झील सरकारी खरीद प्रक्रिया का इंतजार नहीं करती। भूस्खलन किसी दाता के खिलाफ नहीं है। बांग्लादेश या पश्चिम बंगाल के उत्तरांचल से अलग नहीं लेता। कितना बड़ा किसी संरक्षणीय सीमा पर नहीं रुकती। हिमालय को एक साझा चेतावनी प्रणाली की

बिजली की जरूरत है या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम 21वीं सदी का बुनियादी ढांचा इस आधार पर बना रहे हैं कि कल वाला हिमालय आज भी वैसा ही है। जाहिर है, ऐसा नहीं है। ग्लेशियर बदल रहे हैं। पहाड़ों की ढलानें बदल रही हैं। नदियां बदल रही हैं और खतरे पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। अब सबसे बड़ी गलती यह होगी कि भोटेकोशी की घटना को अज्ञात मान लिया जाए, शोक जताया जाए, राहत की घोषणा की जाए, नष्ट हुई चीजों का फिर से निर्माण किया जाए और अगले पहाड़ के टूटने का इंतजार किया जाए। अगला पहाड़ सिक्किम में टूट सकता है। अगली अस्थायी झील कहीं और बन सकती है। अगली बाढ़ बांग्लादेश तक पहुंच सकती है और अगली श्रृंखलाबद्ध आपदा भोटेकोशी की तबाही को केवल एक पूर्वाभ्यास जैसी बना सकती है। हिमालय हमें चेतावनी दे चुका है। सवाल यह है कि क्या दक्षिण एशिया उस संदेश को समझेगा, जो हमारी नदियां लगावार दे रही है? इतिहास कहता है खोजें प्रेसखन, मानवाधिकार और विकास के क्षेत्र में काम करने वाले पत्रकार हैं। वे

ललितपुर मेडीकल कॉलेज में मृत मरीज के शव के साथअमानवीयता एक बदनुमा दाग – बु. वि. सेना

ललितपुर । बु.वि. सेना की एक आवश्यक बैठक स्थानीय कंपनी बाग में बु. वि सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में ललितपुर राजकीय मेडीकल कॉलेज में पिछले दिनों मृत महिला मरीज के शव को ट्राइसाइकिल पर ले जाने के अमानवीय कृत्य तथा व्यास अव्यवस्थाओं और मरीजों को इलाज करने की बजाय रिफर करने पर गहरी चिन्ता और रोष व्यक्त किया गया बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि राजकीय मेडीकल कॉलेज ललितपुर में विभागीय चूक के कारण विगत दिवस एक दिवंगत महिला मरीज के शव के साथ जो अमानवीय बर्ताव किया गया वह एक बदनुमा दाग है उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मृत मरीजों के शव को उनके घर



तक पहुंचाने का नियम होता है परन्तु सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मेडीकल कॉलेज प्रशासन ने उस दिवंगत महिला के शव को भेजने का कोई भी इंतजाम नहीं किया गया मृत

पराकाष्ठा है उन्होंने कहा कि बाद में इस मामले का हो-हल्ला होने पर मेडीकल कॉलेज प्रशासन ने इसे रफा दफा कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाये बु. वि. सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा कि मेडीकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में घोर अव्यवस्था का आलम है। यहां पर मरीजों के साथ अमानवीय बर्ताव किया जाता है। गम्भीर मरीजों पर ध्यान नहीं दिया जाता है। सामान्य इलाज में भी मरीज को रिफर कर दिया जाता है । उन्होंने कहा कि यदि कोई मरीज देर रात में इलाज के लिए जाता है तो देर तक उसकी सुध नहीं ली जाती है। उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है तथा उसका प्राथमिक उपचार किए बगैर पल्ल झाड़कर उसे रिफर कर दिया जाता है।

प्रशासन से मांग की है कि मेडीकल कॉलेज में विगत दिवस दिवंगत महिला मरीज के शव के साथ अमानवीय कृत्य की उच्च स्तरीय जांच की जाये तथा मेडीकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में व्याप्त घोर अव्यवस्थाओं पर अंकुश लगाकर मात्र रिफर सेंटर बनने से रोका जाये अन्यथा बु. वि. सेना उग्र आन्दोलन छेड़ने को बाध्य हो जायेगी बैठक में बु.वि सेना के केन्द्रीय महामंत्री महेंद्र अग्निहोत्री राजकुमार कुशवाहा अमर सिंह बुन्देला संजु राजा मुन्ना महाराज त्यागी विनोद साहू प्रदीप पंडित भैयन कुशवाहा गफ्फू खां पप्पू सेन काशीराम विश्वकर्मा सुरेश झा अखिलेश प्रमोद धनुक कामता प्रसाद भट्ट जगदीश झा रामप्रकाश झा पंकज रैकवार आदि उपस्थित रहे

पिकप सवार सदिग्ध परिस्थितियों में भैंस छोड़ कर भागे



सूचित - जमाल नगर मार्ग के बीच स्थित जंगलेश्वर स्कूल में रविवार भोर करीब तीन बजे सदिग्ध परिस्थितियों में एक पिकअप से भैंस लाद रहे अज्ञात लोग का मामला सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, जमाल नगर के कुछ लोग सुबह टहलने के लिए स्कूल के आसपास गए थे। इसी दौरान उन्होंने पिकअप वाहन से भैंस उतारे जाने की गतिविधि देखी। लोगों के शोर मचाने पर पिकअप सवार मौके से वाहन लेकर फरार हो गए, जबकि एक भैंस वहीं छोड़ गए। ग्रामीणों ने छोड़ी गई भैंस को पुत्री पुत्र रामपाल के दरवाजे पर बांध दिया है। ग्रामीणों को आशंका है कि भैंस चोरी कर लाई गई हो सकती है। फिलहाल भैंस के वास्तविक मालिक का पता नहीं चल सका है। जिस किसी की भैंस हो, वह जमाल नगर में संपर्क कर अपनी पहचान व स्वामित्व की पुष्टि के बाद भैंस ले जा सकता है।

सक्षिप्त खबरें...

प्रो . डॉ. दुर्गेश मणि त्रिपाठी को IQAC सलाहकार नियुक्त होने पर बधाई



संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश फार्मेसी कॉलेजेज एवं फार्मा इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन (बिहार) की चेयरमैन प्रो. (डॉ.) अमेरिका सिंह ने एसोसिएशन के महासचिव प्रो. डॉ. दुर्गेश मणि त्रिपाठी को देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के आंतरिक गुणवत्ता आधासन प्रकोष्ठ (टुट्रष्ट) के सलाहकार नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रो. (डॉ.) अमेरिका सिंह ने कहा कि यह नियुक्ति प्रो. डॉ. त्रिपाठी की विद्वता, शैक्षिक उत्कृष्टता एवं शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय शिक्षा एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय परिवार के लिए यह गौरव का विषय है और सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की ओर से प्रो. डॉ. दुर्गेश मणि त्रिपाठी के उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता की मंगलकामना की गई।

तीन दिन बाद भी लापता युवती का नहीं लगा सुराग, गोताखोरों ने दिनभर चलाया सर्च ऑपरेशन



परियर (उन्नाव)। परियर - बिठूर पुल से शुक्रवार को युवती के लापता होने की घटना के तीन दिन बीतने के बाद नहीं लगा सुराग। युवती की तलाश में पुलिस बल मौके पर लगातार मौजूद है। वहीं 32वीं वाहिनी बटालियन पल्ट कम्पनी के गोताखोरों की टीम भी दिनभर गंगा नदी में सघन खोजबीन करती रही, लेकिन देर शाम तक युवती का पता नहीं चल पाया। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम द्वारा नदी के आसपास लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गोताखोर संभावित स्थानों पर पानी के भीतर तलाश कर रहे हैं। इसके बावजूद अभी तक युवती के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवती की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और हर संभव स्थान पर खोजबीन जारी है।

श्याम तिवारी का बड़ा संगठनात्मक दांव, सुधाकर त्रिपाठी को पूर्वांचल के सात जिलों की सौंपी कमान

संवाददाता लखनऊ। राष्ट्रावादी ब्रह्म महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम तिवारी ने संगठन विस्तार को लेकर बड़ी निर्णय लेते हुए कर्मठ एवं जुझारू प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुधाकर त्रिपाठी का मनोनयन कर उन्हें बस्ती एवं गोरखपुर मंडल का प्रभारी नियुक्त किया है। नई जिम्मेदारी के तहत त्रिपाठी बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर और देवरिया सहित सात जिलों में संगठन विस्तार की कमान संभालेंगे। इन जिलों में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम तिवारी ने त्रिपाठी की कर्मठता, जुझारूपन और संगठनात्मक क्षमता पर भरोसा जताते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उनके नेतृत्व में ब्राह्मण समाज को संगठन से जोड़ने, समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा आपसी भाईचारा और सामाजिक एकजुटता मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। राष्ट्रीय कार्यलय पर आयोजित बैठक में लिया गया यह फैसला पूर्वांचल में राष्ट्रावादी ब्रह्म महासभा के संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सात जिलों की कमान सौंपना त्रिपाठी के नेतृत्व पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम तिवारी के भरोसे की बड़ी मिसाल है।

ब्राह्मण महा मंडल की शोक सभा में दिवंगत आत्माओं को दी श्रद्धांजलि,



महरौनी, ललितपुर ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान (रंज.) के तत्वावधान में ब्राह्मण महा मंडल महरौनी द्वारा संगठन अध्यक्ष रामविलास कटारो की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का

कोषाध्यक्ष पं पियूष शुक्ला की पूज्यनीय चाची जी व पं कैलाश नारायण शुक्ला ऋषि की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन शुक्ला के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया इस अवसर पर

दिनेश गोस्वामी व परिवार से मारपीट और लाखों के जेवर-नकदी लूटने का आरोप, कार्रवाई की मांग



संवाददाता लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिवेदी महासभा ने दिनेश गोस्वामी एवं उनके परिवार के साथ कथित मारपीट, गाली-गलौज तथा लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लूट

परिवार को बिना जानकारी दिए दूसरी शादी किए जाने की जानकारी लड़की पक्ष को मिलने के बाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। लड़की की विदाई के दिन करीब 20 से 25 लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और सबसे पहले छोटे भाई विकास गोस्वामी के साथ मारपीट की। इसके बाद आकाश गोस्वामी के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि इस दौरान घर में मौजूद सोने के आभूषण भी ले लिए गए तथा वाहन में रखे आभूषणों से भरा बैग भी कथित रूप से लूट लिया गया। इसके बाद घर के अंदर जाकर सामान को अस्त-व्यस्त करने, मारपीट एवं गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में करीब 40 लाख रुपये कीमत के जेवरात और 3 लाख रुपये नकद ले

बाढ़ से प्रभावित खेसुवा गाँव में राष्ट्रसेवक ने सबसे पहले बढ़ाया मदद का हाथ



ने पुणेन्द्र प्रताप सिंह की सेवा भावना से खुश व संतुष्ट नजर आये इस दौरान मुख्य से ग्राम प्रधान सुनील यादव,गौरीशंकर,राखेंद्र प्रधान, आर के सिंह मामाजी, विनीत सिंह, विकास, रोहित सिंह काका, प्रखर, शेषपाल ,विश्वजीत चौहान,शंकर लोधी, बाबूलाल कुशवाहा आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

तेज़ रफ़्तार लोडर पलटा,लोडर में पांच भैंसों थी लदी

संवाददाता उन्नाव। कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर नवीन मंडी के पास तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर पलट गया। लोडर में करीब पांच भैंसों लदी होने की सूचना से मौके पर हड़कंप मच गया। हादसे के बाद सड़क पर आई भैंसों के कारण कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बन गई। राहगीरों ने भैंसों को सड़क से हटाकर किनारे किया। हैरानी की बात यह है कि जिस मार्ग पर पुलिस की मौजूदगी और ऋह्रह्र विभाग की निगरानी रहती है, उसी मार्ग पर एक छोटे लोडर में एक साथ पांच भैंसों को ले जाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि हादसा ऋह्रह्र ऑफिस से कुछ ही दूरी पर हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर विभागीय निगरानी के बावजूद यह वाहन जांच के दायरे में क्यों नहीं आया? पुलिस और ऋह्रह्र की निगरानी पर सवाल शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ ऋह्रह्र विभाग द्वारा समय-समय पर वाहन चेकिंग किए जाने के दावे किए जाते हैं। इसके बावजूद छोटे वाहनों में क्षमता से अधिक पशुओं को ले जाने का सिलसिला कैसे जारी है? क्या ऐसे वाहनों की नियमित जांच नहीं होती या फिर चेकिंग के दौरान पशु परिवहन के नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है? हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब ऋह्रह्र ऑफिस से कुछ ही दूरी पर नियमों की अनदेखी करते हुए पशुओं से भरा वाहन गुजर रहा था, तो जिम्मेदार विभाग की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? अगर समय रहते वाहन की जांच हो जाती तो शायद हादसे की नौबत ही नहीं आती। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिलहाल किसी व्यक्ति के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, वाहन चालक के अनुसार लोडर को स्लॉटर हाउस की ओर ले जाया जा रहा था।



शिक्षक दिवस पर इंटरनेशनल जंगल वाइस ने छात्रों व शिक्षकों को किया सम्मानित



मिहींपुरवा बहराइच । शिक्षक
दिवस के अवसर पर
मिहींपुरवा नगर पंचायत स्थित
प्रगति पब्लिक स्कूल में

इंटरनेशनल जंगल वाइस
फाउंडेशन की ओर से सम्मान
समारोह का आयोजन किया
गया। कार्यक्रम में हिंदुस्तान

ओलंपियाड में चयनित मेधावी छात्रों के साथ विद्यालय के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

यापार मंडल अध्यक्ष
मिहीपुरवा संजय सिंह ने की,
जबकि संचालन विद्यालय के
प्राचार्य इशियाक अहमद ने
किया। कार्यक्रम का शुभारंभ
क्षेत्र के उत्कृष्ट शिक्षकों को
अंगवस्त्र पहनाकर एवं बुके
भेंट कर सम्मानित करने के
साथ हुआ। इसके बाद
हिंदुस्तान ओलंपियाड में
चयनित मेधावी विद्यार्थियों को
मोमेंटो, पुरस्कार, प्रमाण पत्र
एवं अंक पत्र प्रदान कर उनका
उत्साहवर्धन किया गया। इस
अवसर पर इंटरनेशनल जंगल
वाइस के प्रबंधक एम. रशीद ने
कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में
प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं
है। आवश्यकता केवल उन्हीं
उचित अवसर और प्रोत्साहन

देने की है। विद्यार्थियों को सम्मान मिलने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनके योगदान का सम्मान करना सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में प्राचार्य इश्रितयाक अहमद, इंटरनेशनल जंगल वाइस के अध्यक्ष संजय सिंह, प्रबंधक एम. रशीद, सचिव अनिल मिश्रा, उपाध्यक्ष विजय कुमार, आरिफ अहमद, विनोद शर्मा, मामून रशीद, निकहल शमीम सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य लोग मौजूद रहे।



संवत्सरादा बहराइच, 06 सितंबर। शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित समारोह में उच्च प्राथमिक विद्यालय परसिया आलम, पयागपुर में कार्यरत शिक्षक नवल कुमार पाठक को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। नवल कुमार पाठक को निपुण शिक्षक के रूप में बेहतर कार्य करने तथा दीक्षा के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उनके इस सम्मान प्रदान शिक्षा के प्रति समर्पण, पथक्रम और नवाचार का परिणाम बताया गया है। उन्होंने शिक्षण कार्य के साथ विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वित्तावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। राज्य स्तरीय पुरस्कार मिलने की जानकारी से विद्यालय परिवार के साथ-साथ पयागपुर क्षेत्र के शिक्षा जगत में खुशी का माहौल फैला। शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने नवल कुमार पाठक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि पर पवन शुक्ला, अनिल सिंह, राघवेंद्र, बृजेश तिवारी, शिवशंकर सिंह, सुनील पांडेय, इजहार उल हक, जैनुल, आशीष शुकला, पंकज प्रकाश, प्रवीण मिश्रा, कोर, धनंजय गुप्ता, महेंद्र सिंह, निहारिका पाठक, हैं बधाई दी।

जेश पटेल, अंजू शर्मा, सर्वेश कुमार, दीनानाथ दीक्षित, वृजेश शुक्ला, अभीवेश शुक्ला, पंकज प्रकाश, प्रवीण मिश्रा, अपना त्रिवेदी, दीप नारायण, प्रदीप कुमार पांडेय, संजय भट्टारिया, मोनी कौर, धनंजय गुप्ता, महेंद्र सिंह, निहारिका पाठक, गेंश श्रीवास्तव, गीता गुप्ता व विवान लक्ष्मी समेत अन्य शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

तहसील मिहींपुरवा में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस



मिह्रीपुरवा बहराइच आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में माह सितम्बर के प्रथम अन्धकार को तहसील मिह्रीपुरवा में पुलिस अधीक्षक विलक्षित श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, उप जिलाधिकारी मोनालिखा जौहरी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, डीडीओ राज कुमार, पीडी डीआरओ मनीष कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ पर्यायितियों की समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई की और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसपी ने क्षेत्र के व्यक्तियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनजीवनकायों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत के समाधान परदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायत के निस्तारण से शिकायतकर्ता की भी अनिवार्य रूप से अवगत कराया जाए। साथ ही निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समयावधि में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, सीपीओ व थानाध्यक्ष व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील मिह्रीपुरवा में प्राप्त 28 प्रार्थना-पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया। तहसील कैसरगंज में प्राप्त 51 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 06, तहसील सदर बहराइच में प्राप्त 29 के सापेक्ष 02, हसी में प्राप्त 27 के सापेक्ष 03, नानपारा में प्राप्त 38 के सापेक्ष 24 व पहायपुर में प्राप्त 35 प्रार्थन-पत्रों के सापेक्ष 05 का मौके पर निस्तारण किया गया।

परिवार परामर्श केंद्र ने 03 परिवारों में कराया सुलह-समझौता, टूटने से बचाए परिवार

संवाददाता

बहराइच, 06 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विजयीत श्रीवास्तव के निदेशन में समाजिक रिश्तों को बचाने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस लाइन बहराइच स्थित प्रेक्षागृह में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने आपसी परिवारिक विवादों का निस्तारण करार कर तीन परिवारों में सुलह-समझौता कराया। इस पहल से परिवार टूटने से बच गए। परिवारिक विवाद के संबंध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुनह के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। मामले के निस्तारण के लिए पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र को आवश्यक निदेश दिए। इसके बाद परिवार परामर्श केंद्र के काउंसलर फहीम कुदुआ, रजनीश विष्कर्मा व अनुराधा श्रीवास्तव तथा पुलिस टीम प्रभारी रमाशंकर मिश्रा, म0म0आ0 संगीता यादव, म0आ0 छाया, म0आ0 निशी त्रिवेदी और म0आ0 गिरजावती यादव ने शिकायतकर्ता की समस्याओं को विस्तार से सुना और समझा। टीम द्वारा दूसरे पक्ष से संपर्क कर दोनों पक्षों को पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह में बुलाया गया। यहां दोनों पक्षों की बात करने के बाद काउंसलर एवं पुलिस टीम ने उन्हें आपसी मतभेद मुलाकात परिवारिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए समझाया। समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने पर सहमति जताई। सुनह के बाद दंपती जोड़ों को आपसी सामंजस्य बनाए रखने, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने तथा अपने परिवारिक दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करने की सलाह दी गई। पुलिस के इस प्रयास से तीन परिवारों में फिर से आपसी सौहार्द कायम हुआ और परिवारों को बिखरने से बचाया जा सका।

शिक्षक दिवस पर बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा के 70 उत्कृष्ट शिक्षक सम्मानित

बहराइच। शिक्षक दिवस के अवसर पर जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के कुल 70 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें अवगस्त्र, पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न (मोमेंटो) एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित किया गया।

समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक संवदानंद, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी जरवल अरविन्द बहादुर सिंह तथा समस्त जिला समन्वयक सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक संवदानंद ने कहा कि शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह

विद्यार्थियों के व्यक्ति, चरित्र और भविष्य शिक्षक निर्माता होता है। एक योग्य शिक्षक की प्रेरणा विद्यार्थी के जीवन को दिशा बदल सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षक का स्थान सदैव सर्वोच्च और सम्माननीय रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि 'युव वह शक्ति है जो एक साधारण बालक में असाधारण संभावनाओं को पहचानकर उन्हें उद्घाटन देती है। विद्यालय में शिक्षक का प्रत्येक प्रयास राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने का कार्य करता है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा नहीं करता, बल्कि बच्चों में संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है।'

उन्होंने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा नवाचार, निपुण शिक्षा, बाल वाटिका से लेकर कक्षा 5 तक बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान, डिजिटल संसाधनों

के प्रयोग तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।
उक्त कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।
खंड शिक्षा अधिकारी जरवल अरविन्द बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की वह आधारशिला है, जिस पर देश का भविष्य खड़ा होता है।
शिक्षक का प्रभाव कक्षा की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह पीढ़ियों के निर्माण तक पहुँचता है।
उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षकों की प्रतिबद्धता एवं सकारात्मक सोच से विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार संभव है।
इस अवसर पर सम्मेलित समन्वयकों ने भी सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और मेहनत से विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षिक वातावरण तैयार हो रहा है।

शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ जीवन मूल्यों, नैतिकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध कराते हैं। समारोह में सम्मानित शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए बलक प्रशस्ति पत्र या स्मृति चिह्न नहीं, बल्कि भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंतिम में उपस्थित अधिकारियों ने सभी सम्मानित शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विद्यालयों को उत्कृष्ट शैक्षिक केंद्र बनाने के लिए पूर्ण मनोयोग से कार्य करने का आह्वान किया।

एक अच्छा शिक्षक एक विद्यार्थी को बदलता है, और एक समर्पित शिक्षक पूरी पीढ़ी को बदलने की क्षमता रखता है। इसी भावना के साथ शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 70 शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

श्रावस्ती में 25 हजार का इनामी वांछित अपराधी रानीपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा



संवाददाता
बहराइच, 06 सितंबर।
अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध
चलाए जा रहे अभियान के तहत
रानीपुर पुलिस ने बड़ी सफलता
हासिल करते हुए श्रावस्ती जनपद से
725 हजार के पुरस्कार घोषित
वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया
है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध
.12 बोर का तमंचा और एक जिंदा
कारतूस भी बरामद किया है।
पुलिस के अनुसार, श्रावस्ती जनपद

के थाना गिलौला में दर्ज मु0अ0स0
107/2026, धारा 3(1) उत्तर
प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी
क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से
संबंधित वांछित अभियुक्त अनवर
अली पुर रमजान अनवी, नलासी
बेचनपुरवा, ग्राम सरवा, थाना
रानीपुर, जनपद बहराइच, उप्र करीब
35 वर्ष के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक
श्रवसी द्वारा 18 अगस्त 2026 को
ग्य25 द्वाा का पुस्तरा घोषित किया
गया था। पुलिस अधीक्षक बहराइच

श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में
वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के
लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम
में अगर पुलिस अधीक्षक नगर श्री
अयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी
पद्मगुप्त श्रीमती हर्षिता तिवारी के
पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष रानीगुप्त श्री
हेमदत्त नाथ राय के नेतृत्व में पुलिस
दौम ने ०६ सितंबर की रात्रि गश्त के
दौरान २६ गिरफ्तार नहर् पुलिस के पास से
अनवर अली को गिरफ्तार कर लिया।
तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे

से एक अवैध .12 बोर तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगरी के आधार पर थाना रानीपुर में मु0अ0स0 16/9/2026, धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय बहराइश के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रवाना किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अनवर अली के विरुद्ध बहराइश, गोंडा और श्रावस्ती के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी, बरामदगी, अवैध शस्त्र, धारणी, गैंगस्टर एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कुल 16 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना रानीपुर में वर्ष 2022 से लेकर 2025 तक कई मुकदमे, थाना करनैलजंग गोंडा में वर्ष 2024 का मुकदमा तथा थाना गिलौला और नवीन माडन प्रस्थित थाना श्रावस्ती में दर्ज मामले शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष हेरन्द नाथ राय, वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामकेश, उपनिरीक्षक रवि प्रकाश सिंह, कांस्टेबल भगवानदीन, अरुण शर्मा, चंद किशोर यादव तथा राहुल गौड़ शामिल रहे।

मेडिकल स्टोर का ताला तोड़कर 46 हजार की चोरी



घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज देखकर पहचान करने में जुटी है। पीड़ित मेडिकल स्टोर संचालक ने एक व्यक्ति पर चर्च

बहराइच में पहली बार आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया सॉफ्ट टेनिस लीग में महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता बहराइच, 06 सितंबर। जनपद बहराइच में पहली बार आयोजित अस्मिता खेलों इंडिया सांपट टेनिस लीग का खेल आयोजन छुट्टू टेनिस अकादमी, स्टेशन क्लब, बहराइच में किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर शानदार खेल का प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। अंडर-18 जूनियर गर्ल्स वर्ग के फाइनल मुकाबले में प्राची मिश्रा ने नेहा कश्यप को 3-1 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले सेमीफाइनल के रोमांचक मुकाबले में प्राची मिश्रा ने आरुषि मिश्रा को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस वर्ग में नेहा वर्मा और आरुषि मिश्रा ने कांस्य पदक हासिल किया। सब-जूनियर गर्ल्स वर्ग के फाइनल मुकाबले में आकर्षी ने शिवानी को 3-1 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। ज्योति वर्मा और एनाया को कांस्य पदक मिला। सीनियर महिला वर्ग में गरिमा सिंह ने कड्डे संघर्ष के बाद मनीषा को 3-2 से पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस वर्ग में भूमिका और राखी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रणव मिश्रा, जूनियर एशियन चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता, रहे।



107 खोए मोबाइल बरामद, पुलिस ने वास्तविक स्वामियों को किए सुपुर्द

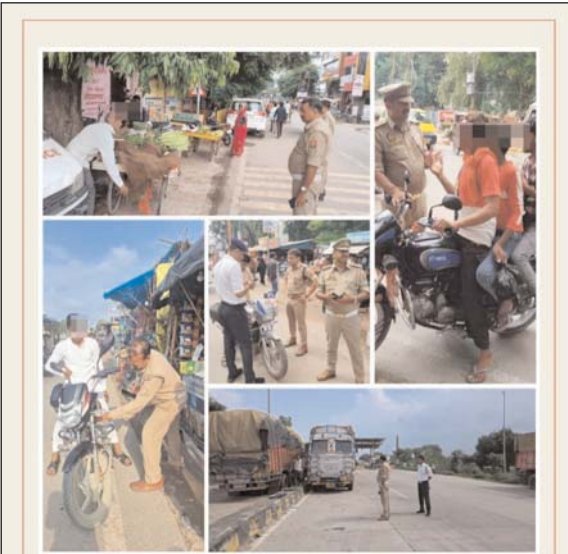


वापसदाता
हरहाइक, 06 सितंबर। जनपद में खोए और गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाया जा रहे अभियान में बहराइच पुलिस एवं सर्बिलांस टैले की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने विभिन्न कंपनियों के 107 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 26 लाख 12 हजार 830 रुपये बताई गई है। बरामद मोबाइल फोन को रिविज करने को पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव ने उनके वास्तविक स्वामियों को सुपूर्द किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर आशुष विक्रम सिंह के परवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान जनपदीय सर्बिलांस टीम ने सभी थानों से समन्वय स्थापित करते हुए भारत सरकार के इष्टदृक् (इष्टदृहदुधु धनदृहदुधुदृहदुधु इष्टदृहदुधुदृहदुधु इष्टदृहदुधुदृहदुधु) पोर्टल की नियमित मॉनीटरिंग की और गुम हुए मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया। बरामद मोबाइलों में एप्पल, सेमसंग, ओपीओ, ओपो, टेक्नो, रेडमी, वनप्लस समेत विभिन्न कंपनियों के मोबाइल शामिल हैं। मोबाइल वापस मिलने पर स्वामियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। उन्होंने पुलिस अधीक्षक एवं जनपदीय पुलिस की सराहना करते हुए आधार तथ्य दिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, क्षेत्राधिकारी लाइन तनिष्क, आएर जाभकर (आईएस) समेत अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने मोबाइल बरामदगी में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सर्बिलांस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की। मोबाइल खोने पर इष्टदृक् पोर्टल पर करें शिकायत। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल स्थानीय थाने पर सूचना दें। मोबाइल की खोज, दृष्टदृहदुधु, आधार कोई एवं पहचान पत्र के साथ शिकायत दर्ज कराकर इष्टदृक् पोर्टल के माध्यम से मोबाइल के दृष्टदृहदुधु को ब्लॉक कराया जा सकता है। मोबाइल बरामद होने पर पुलिस की कार्रवाई की सूचना पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त होती रहेगी। पुलिस के अनुसार कार्रवाई मोबाइल उपकरणों के दृष्टदृहदुधु से संबंधित राष्ट्रव्यापी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से चोरी या गुम हुए मोबाइल को ब्लॉक करने, उसकी स्थिति जानने तथा बरामदगी में सहायता मिलती है। आमजन को मोबाइल सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए संचार साख्ती एफ का उपयोग करने की भी सलाह दी गई है।

सड़क सुरक्षा अभियान में 556 वाहनों के
चालान, 8.41 लाख जुर्माना अधिरोपित

संवाददाता

बहराइन 06 सितंबर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस एवं नगरिक पुलिस द्वारा जनपथ में विशेष अभियान चलाकर वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 556 वाहनों के चालान किए गए। तथा कुल 8 लाख 41 हजार 800 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। अभियान के दौरान दोषदित्य वाहनों पर तीन सवारों बैठकर यात्रा करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष कार्रवाई की गई। इस दौरान 46 चालान किए गए। वहीं तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 112 चालान किए गए। यातायात पुलिस ने हाईवे पर अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों को हटवाया तथा ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और दोषदित्य वाहनों पर तीन सवारों न बैठएं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।



परिवार परामर्श समिति ने तीन परिवारों में सुलझाया विवाद

संवाददाता
मऊ। परिवारिक विवादों को आपसी बातचीत और समझौते के जरिए सुलझाने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में परिवार परामर्श समिति की बैठक आयोजित की गई। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के तहत हुई बैठक में अलग-अलग परिवारिक विवादों से जुड़े 13 मामले समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। समिति के सदस्यों ने मामलों की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी। कई मामलों में विवाद की वजह, आपसी मतभेद और परिवार के सदस्यों के बीच बनी गलतफहमियों को दूर करने का प्रयास किया गया। समिति के सदस्यों ने पक्षकारों को आपसी सहमति, संवाद और परिवार के हित में विवाद समाप्त करने के लिए समझाया।

समिति के प्रयास से तीन मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। विवाद समाप्त होने के बाद संबंधित परिवारों में आपसी सहमति बनी और उन्हें आगे शांतिपूर्ण तरीके से रहने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, जिन मामलों में अभी दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी, उनकी सुनवाई के लिए 13 सितंबर 2026 की अगली तारीख निर्धारित की गई है। परिवार परामर्श समिति का मुख्य उद्देश्य परिवारिक विवादों को लंबी कानूनी प्रक्रिया में जाने से पहले बातचीत और समझौते के माध्यम से



सुलझाना है। समिति के सदस्य पति-पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच उत्पन्न विवादों के कारणों को समझकर दोनों पक्षों को साथ बैठकर समाधान निकालने का प्रयास करते हैं। इससे परिवार टूटने से बच सकें और आपसी रिश्तों में फिर से विश्वास कायम हो सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत



ली। एसडीएम ने दुकान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित समय के बाद किसी भी हालत में शराब की बिक्री न की जाए। साथ ही ग्राहकों को निर्धारित दर पर ही शराब उपलब्ध कराने और दुकान पर मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर लगाने को कहा। उन्होंने स्टॉक और बिक्री का रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट रखने के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कहा कि शराब की दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने या बिना लाइसेंस शराब की बिक्री की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने दुकान संचालकों से कहा कि शासन की तरफ से निर्धारित नियमों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से भी अपील किया कि अवैध शराब की बिक्री या अन्य अनियमितता की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों

संवाददाता
बलीदपुर। मुहम्मदाबाद गोहना तहसील क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और निर्धारित नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए एसडीएम अर्चना अग्निहोत्री ने शनिवार को देर शाम शराब की कच्चा की कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक पहुंचने से दुकान संचालकों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकानों पर बिक्री व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, लाइसेंस, निर्धारित मूल्य सूची और सीसीटीवी कैमरों समेत अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी

खेत में मिला व्यक्ति का शव, इलाके में मची सनसनी, बाद में उसकी पहचान बरौली के रामबिलास के रूप में हुई



संवाददाता
घोसी।मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के घोसी-मझवारा मार्ग पर रघौली के बरुहा चट्टी के पास रविवार सुबह खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों की नजर सड़क किनारे खेत में पड़ी एक साइकिल को देख कर संदेह होने पर ग्रामीण जब साइकिल के पास पहुंचे तो कुछ दूरी पर एक व्यक्ति का शव पड़ा दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कही से सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान रामबिलास पुत्र बगेदू

के रूप की। मृतक मजदूरी करता था। वह कल घर से मजदूरी करने निकला था, परंतु शाम को घर नहीं पहुंचा, परिजनों ने सोचा की कही रुक गए होंगे। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाल रविन्द्रनाथराय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में भी जानकारी जुटाई और मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए

पूछताछ शुरू कर दी है। इस बीच कही से सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान रामबिलास पुत्र बगेदू के रूप में किया साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मृतक वहां तक कैसे पहुंचा और उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति था या नहीं। घटनास्थल के आसपास मिली साइकिल को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और मृतक की पहचान बरौली निवासी रामबिलास राम के रूप हुई। जानकारी होते ही पत्नी सावित्री, पुत्र पवन, पंकज का रोते रोते बुरा हाल रहा।

घटना की जानकारी फैलते ही रघौली और आसपास के गांवों में बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। अज्ञात व्यक्ति की पहचान और उसकी मौत की परिस्थितियों को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सीओ सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान रामबिलास निवासी बरौली घोसी के रूप में हुई है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार होगा, और कार्यवाही होगी।

पूर्व विधायक बैजनाथ पासवान ने क्षेत्र में भ्रमण कर दी जन्माष्टमी की बधाई

संवाददाता
बलीदपुर।मुहम्मदाबाद गोहना विधानसभा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर सपा के पूर्व विधायक बैजनाथ पासवान ने रविवार को क्षेत्र के चिरैयाकोट कहा देवलास चौद पड़ी खालिसा नगदोपुर बलीदपुर इटोरा चौबेपुर आदि गांवों और बाजारों का भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की और उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। उनका जीवन समाज को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश देने वाला उत्सव भी है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पूर्व विधायक ने व्यापारियों और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। कई स्थानों पर लोगों ने उनका स्वागत भी किया। उन्होंने जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों और झांकियों की जानकारी ली तथा आयोजकों को पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की शुभकामनाएं दीं।

गैंगस्टर के आरोपी की पत्नी के नाम बना 93.53 लाख का मकान कुर्क



संवाददाता
घोसी। गैंगस्टर एक्ट के आरोपी मसूद अख्तर उर्फ मसूद अहमद

की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रशासन ने अपराध से अर्जित धन से उसकी पत्नी के नाम बनवाए गए करीब 93.53 लाख रुपये कीमत के तीन मंजिला मकान को कुर्क कर लिया। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, मसूद अख्तर उर्फ मसूद अहमद निवासी करीमुद्दीनपुर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि उसके द्वारा कथित रूप से उपरकाश से अर्जित धन से पत्नी शबाना बेगम के नाम मकान बनवाया गया है। जिलाधिकारी आनंद वर्धन के आदेश के अनुपालन में शनिवार

अनियंत्रित पल्सर बिजली के पोल से टकराई, 19 वर्षीय युवक की मौत मचा कोहराम

संवाददाता
मधुबन में मधुबन-घोसी मार्ग पर रविवार शाम एक सड़क हादसे में 19 साल के युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर मंडाव ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।मृतक की पहचान जमीन मनौली उर्फ पूराबधुमल्ल गांव निवासी सुमित राजभर (19) के रूप में हुई है। वह विष्णु का बेटा था। रविवार शाम करीब चार बजे सुमित बाइक से मधुबन-घोसी मार्ग से जा रहा था। सिपाह इब्राहिमाबाद गांव के पास उसकी बाइक अचानक बेकाबू हो गई।बाइक सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक बुरी तरह टूट गई और सुमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीण जमा हो गए। लोगों ने तुरंत घायल सुमित को इलाज के लिए सीएचसी फतेहपुर मंडाव पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मधुबन पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। युवक की मौत से परिवार में गहरा दुख है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुमित की मौत की खबर से पूरे गांव में शोक फैल गया है। ग्रामीण इस हादसे पर दुख जता रहे हैं। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

हसनपुर गांव में मिशन शक्ति का बहु-बेटी सम्मेलन, महिलाओं को सुरक्षा व अधिकारों के प्रति किया जागरूक



संवाददाता
मधुबन मऊ,पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में मिशन शक्ति और एंटी रोमियो स्कॉयड ने हसनपुर गांव में बहु-बेटी सम्मेलन किया।इस कार्यक्रम का मुख्य मकसद महिलाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति और विवाहित महिलाओं की देहज हत्या की घटनाओं को कम करना था।इसके साथ ही अविवाहित छात्राओं और युवतियों से बातचीत की गई। एक सुरक्षित माहौल बनाकर महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा, प्रताड़ना और अश्लीलता को भी कम करने का लक्ष्य रखा गया। महिलाओं को जरूरी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया और सरकार की अलग-अलग योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मिशन शक्ति केंद्र की महिला पुलिसकर्मी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा बहुएं और गांव की महिलाएं मौजूद थीं। इस मौके पर महिला उप निरीक्षक अनुराधा चौधरी, महिला कांस्टेबल अंशिका, महिला कांस्टेबल कविता सिंह, महिला कांस्टेबल प्रमिला यादव, महिला हेड कांस्टेबल स्वाति श्रीवास्तव और महिला हेड कांस्टेबल आमा सिंह भी उपस्थित रही।

बाबू जगदेव प्रसाद के शहादत दिवस पर विचार गोष्ठी, शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों का हुआ सम्मान

संवाददाता
मऊ। परदहा ब्लॉक क्षेत्र के इमिलिया में रविवार को भारत लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद के शहादत दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबू जगदेव प्रसाद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद राष्ट्रगान और संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। गोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने बाबू जगदेव प्रसाद के विचारों, संघर्षों तथा उनके जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को लोगों के समक्ष रखा। वक्ताओं ने उनके विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके संघर्ष और सामाजिक सरोकारों को याद किया।

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।



साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म %राका% में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में कहा, फ़मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।फ़ नैला ग्रेवाल ने फिल्म %राका% की हिंट देते हुए कहा, फ़आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।फ़ अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, फ़राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।फ़ एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म %राका% में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोटर्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल टाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम टैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।



द ट्रेटर्स 2 की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज, बोलीं- ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती

द ट्रेटर्स सीजन 2% में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में %ट्रेटर्स% की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, %%%ट्रेटर% होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।% क्रिस्टल के कहा, %%इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल, मेरी भी अपनी पहचान है



बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने ‘हनुमान अंश’ के सेट पर लागू किए थे सख्त नियम न कोई गाली देगा, न नॉन-वेज और न शराब

मुंबई लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने खुलासा किया है कि फिल्म ‘हनुमान अंश’ की शूटिंग के दौरान सेट पर आध्यात्मिकता और अनुशासन से जुड़े कई सख्त नियमों का पालन किया जाता था। नीम करोली बाबा की कहानी पर आधारित इस फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर गाली-गलौज, ऊंची आवाज में बहस और लड़ाई-झगड़े पर पूरी तरह रोक थी। इसके अलावा नॉन-वेज खाना और शराब भी सेट पर पूरी तरह प्रतिबंधित थी। चतुर्वेदी ने बताया कि फिल्म की आध्यात्मिक भावना के अनुरूप पूरे माहौल



को बनाए रखने की कोशिश की गई थी। निर्देशक के मुताबिक, शूटिंग के हर दिन की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ से होती थी और जब भी संभव होता, दिन का अंत भी हनुमान चालीसा के साथ किया जाता था। उनका मानना है कि यह प्रार्थना शूटिंग के दौरान आने वाली कई मुश्किलों को दूर करने में टीम के लिए मददगार साबित हुई।

चतुर्वेदी ने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए बताया कि कई बार सुबह 7 बजे की शिफ्ट होने के बावजूद अलग-अलग परेशानियों के चलते कैमरा काफी देर से रोल हो पाता था। ऐसे समय में पूरी टीम हनुमान चालीसा का पाठ करती थी। निर्देशक का विश्वास है कि कहीं न कहीं इन प्रार्थनाओं से उन समस्याओं को हल करने में मदद मिली, जिनका सामना टीम कर रही थी। उनके लिए यह परंपरा महाराज जी यानी नीम करोली बाबा की शिक्षाओं से भी गहराई से जुड़ी हुई थी। चतुर्वेदी के अनुसार, महाराज जी ने कभी अपने आसपास होने वाली अच्छी चीजों का श्रेय खुद नहीं लिया, बल्कि हमेशा लोगों को भगवान हनुमान और भगवान राम की ओर निर्देशित किया। उनका संदेश भक्ति, सेवा, जरूरतमंदों को भोजन कराने और राम नाम के प्रचार-प्रसार पर केंद्रित था। यही सोच फिल्म की प्रमोशनल रणनीति में भी दिखाई दी।

चतुर्वेदी ने बताया कि जब ‘हनुमान अंश’ का प्रचार अभियान शुरू हुआ, तब टीम का मकसद पारंपरिक तरीके से फिल्म का प्रचार करना या सिर्फ दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करना नहीं था। इसके बजाय उन्होंने प्रचार अभियान को महाराज जी के संदेश के इर्द-गिर्द रखने का फैसला किया। इसी सोच के तहत टीम ने आठ बड़े मंगल भंडारों का आयोजन किया और लोगों को भोजन वितरित किया। टीम ने विज्ञापनों के जरिए सिर्फ ‘सेवा’ का संदेश देने के बजाय उसे वास्तविक जीवन में उतारने की कोशिश की। चतुर्वेदी का मानना है कि इस पहल ने दर्शकों को फिल्म से स्वाभाविक रूप से जुड़ने में मदद की और उन्हें यह महसूस कराया कि फिल्म की टीम वास्तव में ‘हनुमान अंश’ के मूल संदेश को अपने जीवन में अपनाने की कोशिश कर रही है। अब फिल्म की यह आध्यात्मिक सोच बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार नतीजों के साथ नजर आ रही है। कथित तौर पर करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी ‘हनुमान अंश’ ने महज 10 लाख रुपये की ओपनिंग की थी, लेकिन मजबूत वर्ड ऑफ माउथ के चलते फिल्म ने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ ली। रिपोटर्स के मुताबिक, 28वें दिन तक फिल्म ने भारत में करीब 72.88 करोड़ रुपये नेट का कलेक्शन कर लिया था, जबकि 29वें दिन के आंकड़ों के बाद इसका भारत में नेट कलेक्शन लगभग 82.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ये आंकड़े टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से बताए गए हैं।



दीपिका पादुकोण की फिल्म से रिजेक्ट हुआ गाना, 17 साल बाद भी है सुपरहिट, डिक्शनरी में भी नहीं मिलेगा ये मतलब

17 साल पुराना वो सुपरहिट गाना, जो शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण की फिल्म से रिजेक्ट हो गया था. बाद में यही गाना अभिषेक बच्चन की फिल्म में शामिल हुआ. इस गाने का मतलब अगर आप जानना चाहेंगे तो आपको डिक्शनरी में भी नहीं मिलेगा. लेकिन इस गाने की वजह से आज तक फिल्म को भी याद किया जाता है. फिल्म भले ही बहुत बड़ी हिट साबित नहीं हुई हो, लेकिन इसके गाने आज भी लोगों के गाने की जुबां पर हैं. इस गाने में अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर नजर आए थे.